बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक मूल्यांकन परीक्षा

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग (DoSEL) ने 23 राज्यों में **ULLAS (अंडरस्टैंडिंग लाइफलांग लर्निंग फॉर ऑल इन सोसायटी) - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम** के एक हिस्से के रूप में **बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक मूल्यांकन परीक्षा (FLNAT)** आयोजित की गई जिसमें लगभग 37 लाख शिक्षार्थी शामिल हुए।

- FLNAT बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक कौशल का मूल्यांकन करने के लिये तीन विषयों- पढ़ना, लिखना तथा संख्यात्मकता का मूल्यांकन करता है।
  - यह परीक्षा प्रत्येक भाग लेने वाले राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के सभी ज़िलों में ज़िला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों (DIET) तथा सरकारी/सहायता प्राप्त स्कूलों में आयोजित की जाएगी।
- FLNAT का उद्देश्य **राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020** के अनुरूप, गैर-साक्षर शिक्षार्थियों को प्रामाणित करना और क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा आयोजित करके **बहुभाषावाद** को बढ़ावा देना है।
  - योग्य शिक्षार्थियों को **राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (NIOS)** द्वारा जारी एक प्रमाण-पत्र दिया जाएगा, जो बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक कौशल प्राप्त करने में उनकी उपलब्धि को मान्यता देगा।
- न्यू इंडिया साक्षरता कार्यक्रम वर्ष 2022-2027 की अवधि के साथ एक **केंद्र प्रायोजित योजना** है जिसे आम तौर पर **उल्लास** के नाम से जाना जाता है। यह **एजुकेशन फॉर ऑल** के सभी पहलुओं को कवर करती है, जिसे पहले **वयस्क शिक्षा** के रूप में जाना जाता था।
  - यह योजना **15 वर्ष और उससे अधिक आयु के वयस्कों** को बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मकता तथा महत्त्वपूर्ण जीवन कौशल के साथ सशक्त बनाती है जिससे निरंतर सीखने/अधिगम को बढ़ावा मिलता है। स्वयंसेवा के माध्यम से कार्यान्वित, यह सामाजिक उत्तरदायित्व और **दीक्षा पोर्टल** एवं **उल्लास मोबाइल एप** पर क्षेत्रीय भाषा सामग्री तक पहुँच को बढ़ावा देता है।

और पढ़ें...मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता, राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/foundational-literacy-and-numeracy-assessment-test